Title: Regarding the reported proposal to increase the interest rate on E.P.F.

12.20 hrs.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Mr. Speaker, Sirâ€¦.

MR. SPEAKER: I will call you first. I have committed to that.

प्रो. विज्य कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, कल इस सदन के एक माननीय सद्स्य श्री गुरूदास दासगुप्त जी का सभी टी.वी. न्यूज चैनल्स पर बयान आया और आज सभी समाचार पत्रों में भी उनका बयान आया कि उनकी प्रधान मंत्री जी से बातचीत हुई है। प्रधान मंत्री जी ने ई.पी.एफ. की ब्याज दर साढ़े आठ प्रतिशत से बढ़ा कर साढ़े नौ प्रतिशत करने की बात स्वीकार की है और कहा है कि अगले बजट सत्र के पहले यह कर देंगे। यह बहुत ही महत्वपूर्ण घोाणा थी। अगर ऐसा त्य हुआ है तो प्रधान मंत्री जी को सदन में आकर यह बात कहनी चाहिए थी। लेकिन बाद में प्रधान मंत्री जी का बयान आया कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा, बल्कि यह कहा है कि हम इस पर विचार कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, विचार करना भी एक महत्वपूर्ण घोाणा है। सदन में आकर उन्हें इसकी घोाणा करनी चाहिए थी कि हम इस पर विचार कर रहे हैं, जबकि सत्र चल रहा है और दो सद्स्यों के डायमीट्रिकली ऑपोजिट बयान आएं। गुरूदास दासगुप्त जी ने एक बात कही और प्रधान मंत्री जी ने दूसरी बात कही।â€¦(व्यवधान)

रक्षा मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : कंसीडर करना डिसीजन नहीं होता।

प्रो. विज्य कुमार मल्होत्रा : मैं जानता हूं।, लेकिन यह कोई छोटा मामला नहीं है। गुरूदास दासगुप्त जी ने एक बात कही और प्रधान मंत्री जी ने दूसरी बात कही। It is a matter of privilege of the House also. कांग्रेस पार्टी ने तो ई.पी.एफ. की ब्याज दर 12 प्रतिशत तक करने की बात कही थी। अब साढ़े नौ प्रतिशत करने की बात हो रही है।

अध्यक्ष महोदय : यह कम करने वाली बात आपके नोटिस में नहीं है। आपने सिद्धांत की बात पर कहना है। इसलिए उस पर कहें।

प्रो. विज्य कुमार मल्होत्रा : बाहर लाल झंडा दिखाएं, और अंदर हरी झंडी दिखाएं, यह नहीं चलेगा। प्रधान मंत्री जी क्या कर रहे हैं, यह सदन को मालूम होना चाहिए। We would like to know what is the position of the Government, whether they are increasing it or they are not increasing it.

MR. SPEAKER: You can demand that the Government should give a statement.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Yes. The Government should make a statement.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: When the decision is taken, it will be communicated to the House, and if the House is not in Session, it will be communicated in due course.

प्रो. विज्य कुमार मल्होत्रा : तो हाउस के बाहर कैसे बताया जा रहा है। सारे टी.वी. न्यूज चैनल्स पर यह बताया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, अब हो गया, आप बैठिए। मैंने आपकी मदद की है, अब आप बैठिए।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Is it the Communist Party alone with which they will do it? सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी से ही बात करेंगेâ€¦(व्यवधान) आप रोज आकर अनाऊंस करेंगे।â€¦(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, let me reply. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You do not have to reply. There is no necessity to reply. The reply is to be given by the Government and the Government has given the reply. Please co-operate.

...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, he referred to my statement. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I earnestly request you to please co-operate.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Shishupal N. Patle.

...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : They are annoyed because the Government is ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please leave it. You are not in the Government.

...(*Interruptions*)

प्रो. विज्य कुमार मल्होत्रा : इन्होंने तो 12 प्रतिशत तक करने की बात कही थी और अब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गए हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, बैठिए। मैंने आपके सदस्य का नाम पुकारा है।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded now except what Shri Shishupal N. Patle speaks.

*(Interruptions) â€¦**

MR. SPEAKER: No, I am not permitting. Please let us conduct in a proper manner.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आपके सदस्य का नाम बुलाया है, कृपया उन्हें बोलने दें। I am prepared to sit continuously.